



4 May, 2024

मतगणना केंद्रों का कार्य

संदर्भ: इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में वोटों की गिनती 04 जून 2024 को आरम्भ हो गई है। इस मतदान प्रक्रिया में 642 मिलियन मतदाता शामिल थे, जो लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण का प्रतिनिधित्व करता है।

मतगणना का पर्यवेक्षण और निर्देशन:

- प्रत्येक सीट के लिए रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) द्वारा मतगणना की देखरेख और निर्देशन किया जाता है, जिसे भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 51 के अनुसार नियुक्त किया जाता है।
- सहायक रिटर्निंग अधिकारी भी मतगणना की निगरानी कर सकते हैं, खासकर ऐसे मामलों में जहां एक आरओ कई निर्वाचन क्षेत्रों के लिए जिम्मेदार होता है।
- पर्यवेक्षकों, सहायकों और कर्मचारियों सहित मतगणना अधिकारियों को आरओ द्वारा डाक मतपत्रों और मतगणना तालिकाओं की अनुमानित संख्या के आधार पर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में वोटों की वास्तविक गिनती करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

मतगणना अधिकारियों की संरचना:

- प्रत्येक मतगणना तालिका में एक पर्यवेक्षक, एक सहायक, मतगणना कर्मचारी और एक माइक्रो-ऑब्जर्वर होता है जो मतगणना प्रक्रिया की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होता है।
- इन अधिकारियों का चयन राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 51 के अनुसार विकसित सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अधिकारियों के डेटाबेस से किया जाता है।

मतगणना हॉल तक पहुँच:

- मतगणना हॉल में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों में पर्यवेक्षक, सहायक, माइक्रो-ऑब्जर्वर, ईसीआई-अधिकृत कर्मी, चुनाव ड्यूटी पर मौजूद लोक सेवक और उम्मीदवार, चुनाव एजेंट और काउंटिंग एजेंट शामिल हैं।
- इस संदर्भ में पुलिस अधिकारियों और सरकारी मंत्रियों को "लोक सेवक" के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है, और चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 51 के अनुसार ईसीआई के पर्यवेक्षक को छोड़कर काउंटिंग हॉल के अंदर मोबाइल फोन प्रतिबंधित हैं।

मतगणना का स्थान:

- वोटों की गिनती का स्थान और समय आरओ द्वारा मतदान की तारीख से कम से कम एक सप्ताह पहले निर्धारित किया जाता है, जो चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 51 के अनुसार ईसीआई द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करता है।
- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के वोटों की गिनती एक ही स्थान पर की जाती है, आमतौर पर आरओ के मुख्यालय में।

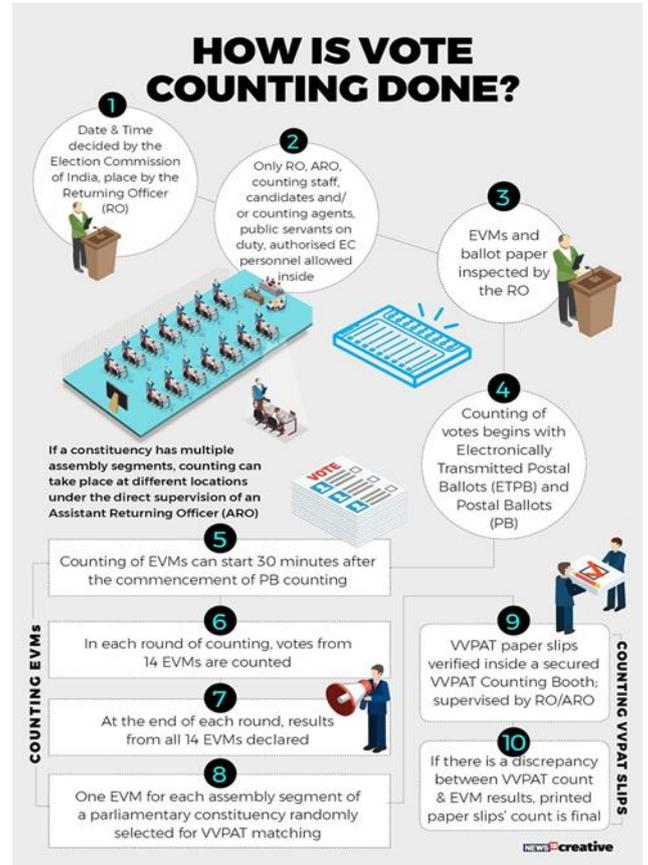
मतगणना की प्रक्रिया और प्रगत:

- मतगणना डाक मतपत्रों से शुरू होती है, उसके बाद ईवीएम मतों की गिनती होती है।

- ईवीएम की गिनती पंक्तियों में व्यवस्थित टेबलों पर की जाती है, जिसमें प्रत्येक टेबल पर एक समय में एक मतदान केंद्र के मतों को दर्ज किया जाता है।
- ईवीएम की प्रत्येक राउंड की गिनती के बाद, आरओ द्वारा परिणाम घोषित किए जाते हैं, और चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 51 के अनुसार मतदाता सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) की गणना शुरू होती है।

परिणामों की घोषणा:

- मतगणना के प्रत्येक राउंड के बाद आरओ द्वारा परिणाम घोषित किए जाते हैं, जिसमें संबंधित रिकॉर्ड पर हस्ताक्षर किए जाते हैं और चुनाव संचालन नियम, 1961 के नियम 51 के अनुसार अगले राउंड के लिए अधिकृत किया जाता है।
- ईवीएम की सभी राउंड की गिनती पूरी होने के बाद वीवीपीएटी पंक्तियों का सत्यापन शुरू होता है, जिसमें औसतन प्रत्येक वीवीपीएटी मशीन पर लगभग एक घंटा लगता है।



अग्निबाण रॉकेट

संदर्भ: निजी अंतरिक्ष कंपनी अग्निकुल कॉसमॉस ने हाल ही में अपने घरेलू स्तर पर निर्मित रॉकेट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जो भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र में एक बड़ी सफलता है।

अग्निबाण रॉकेट क्या है ?

- अग्निबाण (संस्कृत: अग्नि 'आग', बाण 'तीर') का निर्माण अग्निकुल कॉसमॉस द्वारा चेन्नई, भारत में किया गया है।

Face to Face Centres





4 May, 2024

- यह एक मोबाइल छोटी-सी लिफ्ट लॉन्च प्रणाली है, जिसका विकास अभी चल रहा है।
- 100 किलोग्राम (220 पाउंड) के उपग्रह को 700 किमी (430 मील) की कक्षा में स्थापित करने में सक्षम।
- रॉकेट 18 मीटर लंबा होगा, जिसका व्यास 1.3 मीटर होगा और इसका लिफ्ट-ऑफ द्रव्यमान 14,000 किलोग्राम (31,000 पाउंड) होगा।
- संपूर्ण रूप से 3डी प्रिंटिंग द्वारा निर्मित।

➤ रॉकेट डिजाइन:

- अग्निबाण रॉकेट के दो चरण हैं।
- पहला चरण सात अग्निलेट इंजनों द्वारा संचालित है।
- दूसरा चरण अग्निलेट इंजन के वैक्यूम-अनुकूलित संस्करण द्वारा संचालित है।
- इसके इंजन ऑक्सीडाइजर और ईंधन के रूप में तरल ऑक्सीजन और केरोसिन का उपयोग करते हैं।
- इसका पहला चरण 7 इंजन द्वारा संचालित है, जिनमें से प्रत्येक में 25 kN का थ्रस्ट है।

➤ लॉन्च साइट:

- इसे दुनिया भर के कई लॉन्च पोर्ट से लॉन्च करने के लिए डिजाइन किया गया है।

- इसके लिए पूर्ण गतिशीलता और पुनः प्रयोज्यता के लिए डिजाइन किया गया "धनुष" नामक लॉन्च पैडस्टल तैयार किया गया है।
- धनुष के आयाम वैश्विक स्तर पर सड़क के आयामों और परिवहन प्रतिबंधों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए हैं।

➤ लक्ष्य:

- शुरुआत में 2021 में पहला रॉकेट विकसित करने और लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया था।
- 3 दिसंबर, 2020 को अंतरिक्ष विभाग के साथ एक गैर-प्रकटीकरण समझौते (NDA) पर हस्ताक्षर किए।
- कोडियाक लॉन्च कॉम्प्लेक्स से रॉकेट लॉन्च करने के लिए अलास्का एयरोस्पेस कॉर्प के साथ एक समझौता किया।

➤ लॉन्च इतिहास:

- रॉकेट अग्निबाण SORTeD के नॉक डाउन संस्करण की परीक्षण उड़ान 30 मई, 2024 को SDSC से एक सबऑर्बिटल मिशन के दौरान की गई थी।
- हालांकि विभिन्न मुद्दों के कारण यह प्रक्षेपण कई बार स्थगित किया गया।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एयरोस्पेस व्हीकल एयरो-थर्मो-डायनामिक एनालिसिस (प्रवाह) के लिए पैरालल आरएएनएस सॉल्वर नामक कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स (सीएफडी) सॉफ्टवेयर विकसित किया है।

प्रवाह के बारे में:

- प्रवाह (एयरोस्पेस व्हीकल एयरो-थर्मो-डायनामिक एनालिसिस के लिए पैरालल आरएएनएस सॉल्वर) विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित एक विशेष कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स (सीएफडी) सॉफ्टवेयर है।
- यह सॉफ्टवेयर एयरोस्पेस वाहनों, जैसे लॉन्च वाहनों और पुनः प्रवेश वाहनों, दो पंखों वाले और बिना पंखों वाले वाहनों द्वारा अनुभव किए जाने वाले जटिल बाहरी और आंतरिक प्रवाह का अनुकरण करने के लिए डिजाइन किया गया है।
- इस सॉफ्टवेयर का उपयोग मानव-रेटेड लॉन्च वाहनों जैसे एचएलवीएम 3, क्रू एस्कपे सिस्टम (सीईएस), और क्रू मॉड्यूल (सीएम) के वायुगतिकीय विश्लेषण के लिए गगनयान कार्यक्रम में बड़े पैमाने पर किया गया है।
- यह परफेक्ट गैस और रियल गैस दोनों स्थितियों में वायु प्रवाह का अनुकरण करने में सक्षम है।
- यह सॉफ्टवेयर प्रारंभिक वायुगतिकीय डिजाइन अध्ययनों के दौरान लॉन्च वाहनों के लिए बड़ी संख्या में विन्यासों के मूल्यांकन की सुविधा प्रदान करता है।
- प्रवाहा कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स (CFD) का उपयोग करके राज्य के समीकरण के साथ-साथ द्रव्यमान, गति और ऊर्जा के संरक्षण समीकरणों को संख्यात्मक रूप से हल करके वायुगतिकीय और एयरोथर्मल भार की भविष्यवाणी करता है।
- यह सॉफ्टवेयर इसरो के एयरोस्पेस मिशनों, विशेष रूप से मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम (गगनयान) की सुरक्षा और दक्षता को बढ़ाता है।

प्रवाह सॉफ्टवेयर



Face to Face Centres





4 May, 2024

कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स:

- कम्प्यूटेशनल फ्लुइड डायनेमिक्स (CFD) द्रव यांत्रिकी की एक शाखा है जो द्रव प्रवाह का अनुकरण करने और द्रव-प्रवाह घटनाओं की भविष्यवाणी करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग करती है।
- यह द्रव गति के संरक्षण कानूनों पर आधारित है, जैसे द्रव्यमान, गति और ऊर्जा का संरक्षण आदि।
- यह द्रव प्रवाह से जुड़ी समस्याओं को हल करने के लिए संचालक विश्लेषण और डेटा संरचनाओं का उपयोग करता है, जैसे सतहों के साथ तरल पदार्थों की परस्पर क्रिया और मुक्त-प्रवाह प्रवाह।

हाल ही में, अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (AIBEA) के बैंक कर्मचारियों ने बैंक क्लिनिक लॉन्च किया, जो ग्राहकों की शिकायतों को दूर करने और अधिकारों और उपायों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक मंच है।

बैंक क्लिनिक के बारे में:

- बैंक क्लिनिक अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (AIBEA) द्वारा शुरू की गई एक पहल है।
- इसका उद्देश्य बैंक ग्राहकों को उनकी शिकायतों को दूर करने में सहायता करना है, विशेष रूप से तेजी से बढ़ते तकनीकी विस्तार और खुदरा बैंकिंग पर भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के दिशा-निर्देशों के मद्देनजर।
- ग्राहक शिकायत विवरण भर सकते हैं, एक टिकट बना सकते हैं और पाँच कार्य दिवसों के भीतर प्रतिक्रिया की अपेक्षा कर सकते हैं।
- प्रतिक्रिया में उपलब्ध उपायों और रिपोर्ट की गई समस्या के संबंध में प्रासंगिक RBI दिशानिर्देशों के अनुपालन की जानकारी शामिल है।
- यह पहल ग्राहकों को उनकी शिकायतों को दूर करने के लिए एक संरचित मंच प्रदान करके सशक्त बनाती है।
- यह ग्राहक शिकायतों के लिए उचित समाधान प्रदान करके RBI दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

बैंक क्लिनिक



हाल ही में, FSSAI ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों को निर्देश जारी कर कहा है कि वे पुनर्गठित फलों के रस के लेबल और विज्ञापनों से "100% फलों के रस" के किसी भी दावे को तत्काल प्रभाव से हटा दें।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के बारे में:

- भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है।
- इसकी स्थापना 5 सितंबर 2008 को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत की गई थी।
- यह भारत में खाद्य सुरक्षा एवं मानकों को विनियमित करने और उनकी निगरानी करने के लिए जिम्मेदार शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है।
- इसके नियमों का उद्देश्य खाद्य जनित बीमारियों को रोकना और खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में उपभोक्ता विश्वास को बढ़ावा देना है।
- इसमें एक अध्यक्ष और 22 सदस्य शामिल हैं जो खाद्य उद्योग, उपभोक्ता संगठनों और खाद्य वैज्ञानिकों सहित विभिन्न हितधारकों का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- FSSAI स्वस्थ खाने की आदतों को बढ़ावा देने और खाद्य अपव्यय को कम करने के लिए ईट राइट इंडिया आंदोलन जैसी विभिन्न पहल करता है।
- इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण



Face to Face Centres





4 May, 2024

सुर्खियों में स्थल

क्यूबा

हाल ही में, भारत ने क्यूबा को मानवीय सहायता भेजी है, जिसमें 90 टन 'मेड इन इंडिया' सक्रिय दवा सामग्री शामिल है।

क्यूबा (राजधानी: हवाना)

अवस्थिति : क्यूबा कैरेबियन सागर में स्थित एक द्वीप देश है।

सीमाएँ: क्यूबा की सीमाएँ संयुक्त राज्य अमेरिका (फ्लोरिडा)

और उत्तर में अटलांटिक महासागर, दक्षिण में कैरेबियन सागर,

पूर्व में विंडवर्ड पैसेज (इसे हैती से अलग करता है) और पश्चिम

में युकाटन चैनल (इसे मेक्सिको से अलग करता है) से मिलती

हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- क्यूबा का सबसे ऊँचा स्थान पिंको टर्किवो है, जो दक्षिण-पूर्वी क्यूबा में सिएरा मेस्ट्रा पर्वत श्रृंखला में स्थित है।
- क्यूबा की प्रमुख नदियों में काउटो, टोआ, सगुआ ला ग्रांडे और हनाबाना शामिल हैं।
- क्यूबा के खनिज संसाधनों में निकल, कोबाल्ट, लौह अयस्क, तांबा, मैंगनीज और नमक शामिल हैं।
- क्यूबा की जलवायु उष्णकटिबंधीय है।



POINTS TO PONDER

- बैंक क्लिनिक क्या है ? – बैंक क्लिनिक अखिल भारतीय बैंक कर्मचारी संघ (AIBE) द्वारा शुरू की गई एक पहल है। इसका उद्देश्य बैंक ग्राहकों को उनकी शिकायतों को दूर करने में सहायता करना है।
- राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन (NSO) के अनंतिम अनुमान के अनुसार, 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर क्या थी? – 8.2%
- सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (AFMS) ने अनुसंधान और प्रशिक्षण पर सहयोग के लिए किस IIT के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए? – IIT हैदराबाद
- किन संगठनों ने संयुक्त रूप से पीएचडी छात्रों के लिए 'BIMReN पहल' शुरू की? – विदेश मंत्रालय और बंगाल की खाड़ी कार्यक्रम-अंतर सरकारी संगठन
- किस संस्थान ने 'DRDO-उद्योग-अकादमिक उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना की? – IIT कानपुर

Face to Face Centres

